डॉ.सुनील बहल

कक्षा-छठी

हिंदी (प्रथम भाषा)

पाठ-4 जाह्नवी की डायरी

अभ्यास

निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन करो-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
हाथी	हथिनी	भाई	भाभी
चाचा	चाची	राजा	रानी

वचन बदलो -

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
रात	रातें	इमारत	इमारतें
गुफा	गुफाएं	मूर्ति	मूर्तियाँ
स्थल	स्थलों	द्वीप	द्वीपों
परिंदा	परिंदे	लहर	लहरें

विपरीतार्थक शब्द लिखो-

शब्द	विपरीतार्थक शब्द	शब्द	विपरीतार्थक शब्द
पूर्व	पश्चात ,पश्चिम	सोना	जागना
रात	दिन	उतार	चढ़ाव
पीछे	आगे	धीरे	जल्दी
विशाल	क्षुद्र		

पर्यायवाची शब्द लिखो-

शब्द	पर्यायवाची शब्द
चट्टान	शिला, सिल,शिलापट्ट, पाषाण शिला
परिंदा	पंछी,पक्षी,पंखी
गंगा	सुरनदी , देवनदी, देवसरिता
पार्वती	उमा , हिमालयजा, गौरी
पर्वत	पहाड़, शैल, गिरि
लहर	तरंग, हिलोर, ऊर्मि, मौज
शिव	महादेव, महेश, शंकर

निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखो-

डॉ.सुनील बहल

वाक्यांश	एक शब्द	वाक्यांश	एक शब्द
देखने योग्य	दर्शनीय	घूमने के शौकीन	पर्यटक, घुमक्कड़
आकाश को छूने वाला	गगनचुम्बी	कला से भरपूर	कलात्मक
जिसका पार न पाया जा सके	अपार	अंदर जाने का द्वार	प्रवेश द्वार
मन मोहने वाला	मनमोहक	मुख्य कार्यालय	मुख्यालय
जिस भवन में विचित्र चीज़ों का संग्रह किया जाता है	अजायबघर	ऐसा भूमिखंड जो चारों तरफ से समुद्र से घिरा हो	द्वीप

निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाओ -

शब्द	भाववाचक संज्ञा	शब्द	भाववाचक संज्ञा
स्मरणीय	स्मरण	दर्शनीय	दर्शन
महान	महानता	बैठना	बैठक, बैठकी
लिखना	लिखाई ,लिखावट	चलना	चाल,चलन
सूक्ष्म	सूक्ष्मता		

निम्नलिखित शब्दों शुद्ध करके लिखो -

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
मूरती	मूर्ति	चंढीगड़	चंडीगढ़
सुशोभीत	सुशोभित	समाधी	समाधि
समरण	स्मरण	रफतार	रफ्तार
अर्धनारीश्वर	अर्द्धनारीश्वर		

निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करें-

डॉ.सुनील बहल

शब्द	वाक्य
द्वीप	जाह्नवी एलीफेंटा द्वीप की यात्रा करने के लिए गई।
मूर्ति	मंदिर में शिव और पार्वती की विवाह की मूर्ति विराजमान है ।
अतीत	अरे ! अतीत की ओर मत देखो , वर्तमान में जिओ ।
खूबसूरत	कश्मीर के उपवन बहुत ही खूबसूरत हैं।
अनूठा	मनाली में मैनें एक अनूठा मंदिर देखा ।
द्वार	मंदिर के द्वार खुलते ही हमें प्रभु के दर्शन हो गए ।
आनन्द	शिमला की सैर करके मुझे बहुत आनन्द आया ।
गुफा	मनाली में एक गुफा के भीतर जाकर मुझे बहुत अच्छा लगा ।
समाधि	मेरा देशभक्तों की समाधि को नमन है ।
बुत	एलीफेंटा की गुफाओं के मुख्य द्वार पर हाथियों के बुत बनाए हुए थे।

विचार-बोध

(क) 1. जाह्नवी को किसका शौक है ? वह प्रतिदिन सोने से पूर्व क्या करती है।

उत्तर- जाह्नवी को डायरी लिखने का अद्भुत शौक है। वह प्रतिदिन सोने से पहले डायरी लिखती है।

2. जाह्नवी घूमी जगहों का वर्णन डायरी में क्यों करती है ?

उत्तर- जाह्नवी घूमी जगहों का वर्णन डायरी में इसलिए करती है क्योंकि वह जानती है कि भले ही यात्रा का स्मरण धूमिल पड़ जाए पर डायरी उसे यात्रा के हर पल का स्मरण कराती रहेगी ।

3. वह मुंबई में कहाँ-कहाँ घूमी ?

उत्तर- वह मुंबई में ग्लोरिया चर्च, हुतात्मा चौंक , जहांगीर आर्ट गैलरी, प्रिन्स आफ वेल्स म्यूजियम,राजा भाई टावर, मरीन ड्राइव, तारापोर वाला एक्वेरियम, गिरगाँव चौपाटी, कमला नेहरू पार्क,बूट हाउस, हैंगिंग गार्डन, श्री महालक्ष्मी मन्दिर, हाजी अली, नेहरू सैंटर प्लेनेटेरियम, सिद्धिविनायक मंदिर, जुहू बीच, हरे रामा हरे कृष्णा (इस्कॉन) मंदिर आदि दर्शनीय स्थलों पर घूमी ।

डॉ.सुनील बहल

4. जाह्नवी को स्टीमर में बैठकर कैसा लग रहा था ? डॉ.सुनील बहल

उत्तर- जाह्नवी को स्टीमर में बैठकर अच्छा लग रहा था । समुद्र की लहरों और इनके साथ उड़ते परिदों को निहारना मनमोहक लग रहा था। बड़े-बड़े समुद्री जहाज़ उसे रोमांचित कर रहे थे।

5. एलीफेंटा द्वीप का नाम 'एलीफेंटा' कैसे पड़ा ?

उत्तर- गुफाओं के मुख्य द्वार पर हाथियों के बुत बनाए गए थे। हाथी को अंग्रेज़ी में ऐलीफेंट कहते हैं, इसलिए पहले इन गुफाओं का फिर बाद में धीरे-धीरे इस द्वीप का नाम भी 'ऐलीफेंटा' पड़ गया।

6. एलीफेंटा गुफाओं में किन-किन की मूर्तियाँ हैं ?

उत्तर- एलीफेंटा गुफाओं में एक कोने में शिव और पार्वती की विवाह की मूर्ति विराजमान है। एक जगह अर्द्धनारीश्वर की सुन्दर मूर्ति सुशोभित हो रही है। इसके अतिरिक्त रावण के कैलाश पर्वत को उठाने वाली मूर्ति भी मनमोहक है।

(ख) 1. जाह्नवी की मुंबई यात्रा का विस्तृत वर्णन करें।

उत्तर- जाह्नवी के चाचा जी ने मुंबई घूमने हेतु 'बाम्बे सफारी' टूरिस्ट बस में बुकिंग करवा ली थी। वह मुंबई में ग्लोरिया चर्च, हुतात्मा चौंक , जहांगीर आर्ट गैलरी, प्रिन्स आफ वेल्स म्यूज़ियम,राजा भाई टावर, मरीन ड्राइव, तारापोर वाला एक्वेरियम, गिरगाँव चौपाटी, कमला नेहरू पार्क,बूट हाउस, हैंगिंग गार्डन, श्री महालक्ष्मी मन्दिर, हाजी अली, नेहरू सैंटर प्लेनेटेरियम, सिद्धि विनायक मंदिर, जुहू बीच, हरे रामा हरे कृष्णा (इस्कॉन) मंदिर आदि दर्शनीय स्थलों पर घूमी । वह अगले ही दिन 'ऐलीफेंटा द्वीप' देखने के लिए गई। यहाँ पर उसने एलीफेंटा की गुफाएँ देखीं। गुफ़ाओं के भीतर सुंदर मूर्तियाँ व मनमोहक चित्र देखकर जाह्नवी को अति प्रसन्नता हुई।

2. ऐलीफेंटा गुफाओं का वर्णन करें।

उत्तर- एलीफेंटा गुफाओं की सुन्दरता विचित्र है । गुफा के एक कोने में शिव और पार्वती की विवाह की मूर्ति विराजमान है। किसी जगह गंगा के अवतरण को इतनी सूक्ष्मता से उकेरा गया है कि लगता है कि गंगा जी सचमुच ही पृथ्वी पर उतर रही हों तो दूसरी जगह अर्द्धनारीश्वर की सुन्दर मूर्ति सुशोभित हो रही

है। इन मूर्तियों को महान शिल्प का दर्जा प्राप्त है। वहाँ रावण के कैलाश पर्वत को उठाने वाली मूर्ति है। एक चट्टान के नीचे गंगा के अनूठे कुंड के दर्शन भी होते हैं।सचमुच,ऐलीफेंटा द्वीप में ऐलीफेंटा गुफाएँ आज भी भारत के गौरवशाली अतीत को प्रस्तुत कर रही हैं।

==========

तैयारकर्ता व प्रस्तुतकर्ता

डॉ.सुनील बहल

एम.ए.(संस्कृत ,हिंदी), एम.एड.,पीएच.डी (हिंदी)

असिस्टेंट डायरेक्टर, एस.सी.ई.आर टी

व स्टेट रिसोर्स पर्सन

(हिंदी और पंजाबी)

==========